

श्री हनुमान साधना विधि (यह जानकारी यूट्यूब चैनल- साधना और जीवन रहस्य- के द्वारा दी गई है)

साधना अवधि – 11 दिन या 21 दिन या 41 दिन साधना कर सकते हैं जैसा साधक के पास समय हो.

साधना सामग्री- मूंगा माला या रुद्राक्ष माला, सिंदूरी कपड़ा चौकी के लिए, हनुमान जी का यंत्र ,नारियल, प्रसाद, दीपक, धूप,सिंदूर, फूल,

सावधानी- यह हनुमान साधना घर में ही करना चाहिए, साधना करने के तुरंत बाद लोगों को झाड़ने जैसा काम नहीं करना चाहिए, ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करना चाहिए, प्रतिदिन मंदिर जाना चाहिए, यह साधना सिर्फ अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए करते हैं तो अनुभव गुप्त रखना चाहिए, इस साधना को करने के लिए अलग से दीक्षा ग्रहण करने की आवश्यकता नहीं है लेकिन गुरु आज्ञा लेना बहुत आवश्यक है जिस साधक के शरीर में हनुमानजी का अंश प्रवेश कर जाता है फिर वह बहुत शक्तिशाली अनुभव करता है लेकिन मन शांत रखने का अभ्यास करना चाहिए, हनुमानजी का यह अंश धीरे धीरे जाप की संख्या बढ़ने पर अपना रूप भी ज्यादा प्रत्यक्ष करने लगता है और समय के साथ स्थायी सिध्दी हो जाती है जिसे छिना नहीं जा सकता है यही सिध्दी आगे चलकर बात भी कर सकती है और दर्शन भी देती है जब भी साधक कोई साधना को करने का मन बनाता है तो सोच समझकर साधना चुनना चाहिए, यदि कोई हनुमानजी का भक्त हैं और उनको मन से से मानता है तो ही उनकी साधना करना चाहिए बस यूही मन मारकर साधना नहीं करना चाहिए प्रसन्नता बहुत आवश्यक है

अपने घर में पूजा के कमरे की अच्छे से साफ-सफाई करें |गंगाजल पूरे कमरे में छिड़ककर कमरे को पवित्र कर ले | अब कमरे में पूर्व दिशा की तरफ एक चौकी पर सिंदूरी रंग का कपड़ा बिछाए | अब उस चौकी पर हनुमान जी की प्रतिमा या उनका प्राणप्रतिष्ठा किया हुआ हनुमान यंत्र स्थापित करें | यंत्र पर सिंदूर से टीका करें और लाल फूल चढ़ाएं। मूर्ति तथा यंत्र पर सिंदूर लगाने के बाद धूप, दीप, चावल, फूल व प्रसाद आदि से पूजन करें।

चौकी की बायीं तरफ कलश की स्थापना करें | इस कलश में पानी भरकर रखे अब इसके ऊपर लाल कपड़ा लपेटकर नारियल पानी के कलश के ऊपर रख दें, सरसों या तिल के तेल का दीपक एवं धूप जलाएं- या एक घी का दीपक जलाएं। इस चौकी की स्थापना ऐसी जगह नहीं करना चाहिए जहाँ चलते फिरते परिवार के सदस्यों की छाया नहीं पड़ना चाहिए

इतना करने के पश्चात् दायें हाथ में थोड़ा जल लेकर संकल्प ले | हे ईश्वर मैं.....स्वयं का नाम....मेरा गौत्र.....स्थान ...आपका पतामहिनादिन....दिशा....आज सभी देवी देवताओं को साक्षी मानकर श्रीराम से आज्ञा लेकर श्री हनुमानजी की साधना करने जा रहा हूँ अतः मुझे सभी आशीर्वाद प्रदान करें कि मेरी साधना सफल रहे और मुझ निगुरे की साधना में होने वाली गलतियों को क्षमा करते हुए मेरे जाप को श्रीहनुमान स्वीकार करेंऐसा कहकर अपने हाथ का जल भूमि पर छोड़ दें..... श्री हनुमान साधना विधि (यह जानकारी यूट्यूब चैनल- साधना और जीवन रहस्य- के द्वारा दी गई है)

आह्वान

हाथ जोड़कर हनुमानजी का आह्वान करें-

1. हेमकूटगिरिप्रान्त जनानां गिरिसामुगाम्।
2. पम्पावाहथाम्यस्यां नद्यां हृद्यां प्रत्यनतः॥

विनियोग-दाएं हाथ में आचमनी में या चम्मच में जल भरकर यह विनियोग करें-

अस्य श्रीहनुमन्महामन्त्रराजस्य श्रीरामचंद्र ऋषिः जगतीच्छन्दः, श्रीहनुमान, देवता, ह्र सौं बीजं, ह्रस्फ्रे शक्तिः श्रीहनुमत् प्रसादसिद्धये जपे विनियोगः।

अब जल छोड़ दें।

अब श्रीराम स्तुति गायें –

॥ श्रीरामचन्द्र कृपालु ॥

श्री रामचन्द्र कृपालु भजमन हरण भवभय दारुणं ।

नव कञ्ज लोचन कञ्ज मुख कर कञ्ज पद कञ्जारुणं ॥१॥

कन्दर्प अगणित अमित छवि नव नील नीरद सुन्दरं ।

पटपीत मानहुँ तडित रुचि शुचि नौमि जनक सुतावरं ॥२॥

भजु दीनबन्धु दिनेश दानव दैत्य वंश निकन्दनं ।

रघुनन्द आनन्द कन्द कोसल चन्द दशरथ नन्दनं ॥३॥

सिर मुकुट कुंडल तिलक चारु उदार अङ्ग विभूषणं ।

आजानु भुज शर चाप धर संग्राम जित खरदूषणं ॥४॥

इति वदति तुलसीदास शंकर शेष मुनि मन रंजनं ।

मम हृदय कंज निवास कुरु कामादि खलदल गंजनं ॥५॥

मनु जाहि राचेयु मिलहि सो वरु सहज सुन्दर सांवरो ।

करुणा निधान सुजान शीलु स्नेह जानत रावरो ॥६॥

एहि भांति गौरी असीस सुन सिय सहित हिय हरषित अली।

तुलसी भवनिहि पूजी पुनि-पुनि मुदित मन मन्दिर चली ॥७॥

॥सोरठा॥

जानी गौरी अनुकूल सिय हिय हरषु न जाइ कहि । मंजुल मंगल मूल वाम अङ्ग फरकन लगे

अब मूंगे की या रुद्राक्ष की प्राणप्रतिष्ठित गुरु द्वारा दी गई माला से एक माला श्री गणेश की ॐ गं गणपतये नमः का जाप करें, फिर एक माला अपने गुरु मंत्र की जाप करें इसके बाद श्रीहनुमानजी के मंत्र की 21 माला या 51 माला जितनी माला जाप आप कर सकते हैं करें...

निम्न दो मंत्रों में से किसी भी एक का जप करना है

जीवन में किसी भी प्रकार के दुख या बाधा ,बिमारी, मान सम्मान के लिए इस मंत्र का चयन करें

1 - ओम नमो हनुमते रुद्रावताराय सर्वशत्रुसंहारणाय सर्वरोगाय सर्ववशीकरणाय रामदूताय स्वाहा

जीवन में श्री हनुमानजी की सिध्दी और शक्ति पाने के लिए सुरक्षा के लिए भूतप्रेतों के नाश के लिए या हनुमानजी की कृपा प्राप्त करने के लिए यह मंत्र का चयन करें

2- ॥ॐ हं हनुमते रुद्रात्मकायं हुं फट्

श्री हनुमानजी का मंत्र जप सुबह 7 से 11 के बीच कर सकते हैं और साधना पूरी होने के बाद अंतिम दिन हवन कर सकते हैं ।

साधना काल के दौरान प्रत्येक दिन हनुमानजी के मंदिर जाएं,ब्रह्मचर्य का पालन करें और गलत शब्द किसी से नहीं कहें,पवित्रता से रहे, साधना काल में भले कितने भी अजीब अनुभव हो डरे नहीं और न किसी से कहें सिर्फ अपने गुरु को बताते रहे.

अपनी मनोकामना बताकर साधना करने से मनोकामना जल्दी पूरी होती है. हनुमानजी की साधना में किसी के भी कहने से गलत सामग्रियों का उपयोग नहीं करेंगे.....यह साधना सात्विक है इसलिए घर में ही करना है घर के बाहर सिर्फ मंदिर में जप कर सकते हैं और कहीं जाकर नहीं..

श्री हनुमान साधना विधि (यह जानकारी यूट्यूब चैनल- साधना और जीवन रहस्य- के द्वारा दी गई है)
शिवम जी व्हाट्सएप 7610476407

सभी साधनाओं की सामग्रियां और किसी भी प्रकार की शुद्ध पूजन सामग्रियां shri mahalaxmi ratna kendra के नाम से अमेजन और फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध है जहाँ सभी सामग्रियां प्राणप्रतिष्ठा करके उपलब्ध कराई जाती हैं जिससे होने वाली आय समाज सेवा में खर्च की जाती है जय श्री कृष्ण

